

ग्रसा**या**रण

EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपसण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∙ 360]

नई बिल्ली, मंगलवार, ग्रगस्त 3, 1976/आवण 12, 1898

No. 360]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 3, 1976/SRAVANA 12, 1898

इत भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के क्या में रका जा तके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 3rd August 1976

S.O. 524(E).—Whereas, by virtue of the provisions of section 3 of the Metal Corporation of India (Acquisition of Undertaking) Act, 1966, (36 of 1966), the undertaking of the Metal Corporation of India Limited was transferred to, and vested in, the Central Government with effect from the 22nd day of October, 1965;

And whereas, by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines and Metals), No. S.O. 3401, dated the 22nd October, 1965, Shri Chhedi Lal, Joint Secretary, Department of Mines and Metals, was appointed as an Administrator for the management and administration of the undertaking of the Metal Corporation of India Limited;

And whereas the Metal Corporation of India (Acquisition of Undertaking) Act, 1966, has been repealed by sub-section (1) of section 4 of the Metal Corporation (Nationalisation and Miscellaneous Provisions) Ordinance, 1976, (No. 12 of 1976);

And whereas the said repeal is effective from the 22nd day of October, 1965;

Now, therefore, Shri Chhedi Lal, the then Joint Secretary in the erstwhile Department of Mines and Metals, is, and shall be deemed to have been, appointed by the Central Government, in exercise of the powers conferred on it by sub-section (1) of section 5 of the Metal Corporation (Nationalisation and Miscellaneous Provisions) Ordinance, 1976, as an Administrator of the undertaking of the Metal Corporation for the period commencing on the 22nd day of October, 1965, and ending on the 9th day of January, 1966.

[No. F 55025(3)/73-Met.II].

इस्पात चौर जान मंत्रालय

(लान विभाग)

ग्रधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 3 ग्रगस्त, 1976

का० गा० 524(छ).—यतः मेटल कारपोरेशन आफ इंडिया (उपकम का अर्जन) श्रिष्ठित्यम, 1966 (1966का 36) की धारा 3 के उपबन्धों के माधार पर, मेटल कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड नामक उपकम को 22 अन्तूबर. 1965 से केन्द्रीय सरकार को अन्तरित और उसमें निहित किया गया था ;

भौर यतः, भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान भौर धातु विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० का०श्रा० 3401, तारीख 22 श्रक्तूबर, 1965 द्वारा खान भौर धातु विभाग के संयुक्त सचिव श्री छेदी लाल को मेटल कारपीरेशन भाफ इंडिया लिमिटेंड नामक उपक्रम के प्रयन्ध भौर प्रशासन के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया था ;

भौर यतः, मेटल कारपोरेणन श्राफ इंडिया (उपक्रम का भर्जन) श्रधिनियम, 1966 को भातु निगम (राष्ट्रीयकरण और प्रकीर्ण उपबन्ध) भध्यादेश, 1976 (1976 का 12) की भारा 4 की उपधारा (1) द्वारा निरसित कर दिया गया है;

भौर यत , उक्त निरमन 22 भवतूबर, 1965 से प्रभावी है ;

भतः, श्रव भूतपूर्व खान श्रीर धातु विभाग के तत्कालीन संयुक्त सचिव श्री छेती लाल की, केन्द्रीय सरकार द्वारा, धातु निगम (राष्ट्रीयकरण ग्रीर प्रकीण उपवन्ध) श्रध्यविश, 1976 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 22 श्रक्तूबर, 1965 की प्रारम्भ होकर 9 जनवरी, 1966 की समाप्त हुई श्रविध के लिए, धातु निगम उपक्रम के प्रशासक के रूप में तियुक्त किया गया है और नियुक्त किया गया माना जाएगा।

[ল'০ দা০ 55025(3)/73-খার-2]

8.0. 525(E),—Whereas, by virtue of the provisions of section 3 of the Metal Corporation of India (Acquisition of Undertaking) Act, 1966, (36 of 1966), the undertaking of the Metal Corporation of India Limited was transferred to, and vested in, the Central Government with effect from the 22nd day of October, 1965;

And whereas, on the formation of the Hindustan Zinc Limited, a Government company, the undertuking of the Metal Corporation of India I imited, together with all its properties, assets, liabilities and obligations, became, by virtue of the provisions of section 12 of the Metal Corporation of India (Acquisition of Undertaking) Act, 1966, vested in the Hindustan Zinc Limited;

And whereas the Metal Corporation of India (Acquisition of Undertaking) Act, 1966, has been repealed by sub-section (1) of section 4 of the Metal Corporation (Nationalisation and Miscellaneous Provisions) Ordinance, 1976, (No. 12 of 1976);

And whereas the said repeal is effective from the 22nd day of October, 1965;

Now, therefore, Hindustan Zinc Limited is, and shall be deemed to have been, appointed by the Central Government, in exercise of the powers conferred on it by sub-section (1) of section 5 of the Metal Corporation (Nationalisation and Miscellaneous Provisions) Ordinance, 1976, as an Administrator of the undertaking of the Metal Corporation for the period commencing on the 10th day of January, 1966, and ending on the 2nd day of August, 1976.

[No. F. 55025(3)/73-Met.II].

का॰ आ॰ 525 (आ) -- यत: मेटल कारपोरेशन आफ इंडिया (उनकम का अजँन) अधिनियम 1966 (1966 का 36) की धारा 3 के उपबन्धों के आधार पर, मेटल कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड नामक उपकम को 22 अक्तूबर, 1965 से केन्द्रीय सरकार को अन्तरित और उसमें निहित्त किया गया था ;

श्रीर यतः, एक सरकारी कम्पनी, हिन्दुस्तान जिक लिमिटेड के बन जाने पर, मेटल कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड नामक उपक्रम, श्रपनी सारी सम्पत्तियों, ग्रास्तियों दायित्वों श्रीर भाषारों सहित मेटल कारपोरेशन श्राफ इंडिया (उपक्रम का श्रजन), श्रधिनियम 1966 की धारा 12 के उपबन्धों के श्राधार पर, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड में निहित हो गया है;

श्रीर यतः, मेटल कारपोरेशन आफ इंडिया (उपक्रम का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1966 का, धासु निगम (राष्ट्रीयकरण श्रीर प्रकीर्ण झनन्ध) श्रद्यादेश, 1976 (1976 का 12) की खारा 4 की उपधारा (1) द्वारा निरसन कर दिया गया है;

भीर यत:, उनत निरसन 22 भनतुबर, 1965 से प्रभावी हो गया है ;

ग्रतः ग्रब हिन्दुस्तान जिन्न लिमिटड को, धातु निगम (राष्ट्रीयकरण तथा प्रकीर्ण उपबन्ध) अध्यादेश, 1976 की धारा 5 की उपधारा (1) बारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार द्वारा, 10 जनवरी, 1966 को प्रारम्भ हो कर 2 ग्रगस्त, 1976 को समाप्त हुई अवधि के लिए श्रासु निगम उपक्रम के श्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है ग्रीर नियुक्त किया गया माना जाएगा।

S.O. 526(E).—In exercise of the powers conferred on it by sub-section (1) of section 9 of the Metal Corporation (Nationalisation and Miscellaneous Provisions) Ordinance, 1976, (No. 12 of 1976), the Central Government, being satisfied that Hindustan Zine Ltd., a Government company, is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government may think fit to impose, hereby directs that the undertaking of the Metal Corporation and the right, title and interest of the Metal Corporation in Iclation to its undertaking, which have vested in the Central Government under sub-section (1) of section 7 of the Ordinance aforesaid, shall, instead of continuing to vest in the Central Government, vest in Hindustan Zine Ltd on the 3rd day of August, 1976

[No. F. 55025(3)/73-Met.II]. S. K. MUKHERJEE, Addl. Secy.

का॰ द्वा॰ 526 (क्र)--शातु निश्वम (राष्ट्रीयकरण तथा प्रकीर्ण उपबन्ध) अध्यादेश, 1976 (1976 का 12) की घारा 9 की उपधारा (1) द्वारा अपने को प्रवत्त शक्तियों का प्रयोश करतें हुए, केन्द्रीय सरकार, अपना यह समाधान हो जाने पर कि हिन्स्दुतान जिक्न लिं जो एक सरकारी

कम्पनी है, उन नियन्धर्नों भीर शतों का पालन करने की इच्छुक है, जिन्हें भिधरोपित करना केन्द्रीय सरकार उचित समझे, यह निवेश देती है कि धात् निगम उपक्रम तथा उपक्रम से संबंधित धात् निगम के भिकार हक भीर हित, जो उक्त श्रव्यादेश की घारा 7 की उपधारा (1) के भधीन केन्द्रीय सरकार में नियत हो गए हैं, केन्द्रीय सरकार में निहित बने रहने की बजाए 3 धगस्त, 1976 से हिन्दूस्तान जिक लिमिटेड में निहित हो जायेंगे।

> सि॰ फा॰ 55025 (3)/73-धातु-2] एस० के० मुखर्जी, भपर सचिव।